नाम निर्देशन पत्र की
क्रम सं० 14
समय 12:34 P.M.
तिथि 22/4/2014
आर०
22/4

निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961
(कानूनी नियम और आदेश)

प्ररूप 2क

(नियम 4 देखिए)

नामनिर्देशन–पत्र

लोक सभा के लिए निर्वाचन

नीचे भाग 1 या भाग 2, इनमें से जो भी लागू न हो, उसे काट दें

भाग– 1

(मान्यताप्राप्त राजनैतिक दल द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थी द्वारा उपयोग किया जाना है)

मैं लोक सभा के निर्वाचन के लिए ....संसदीय निर्वाचन–क्षेत्र से अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित को नामनिर्दिष्ट करता हूं।

अभ्यर्थी का नाम ....पिता/माता/पति का नाम .... उसका डाक पता ....उसका नाम .... संसदीय निर्वाचन क्षेत्र [में समाविष्ट........................ विधान सभा निर्वाचन–क्षेत्र] की निर्वाचक नामावली के भाग सं0........... में क्रम सं0 .... पर प्रविष्ट है।

मेरा नाम .... है जो .... संसदीय निर्वाचन क्षेत्र [में समाविष्ट ....विधान सभा निर्वाचन–क्षेत्र] की निर्वाचक नामावली के भाग सं0 ....में क्रम सं0 .... पर प्रविष्ट है।

तारीख ....

(प्रस्तावक के हस्ताक्षर)

भाग– 2

(मान्यता प्राप्त दल द्वारा खड़े न किए गए अभ्यर्थी द्वारा उपयोग किए जाने के लिए)

हम घोषणा करते हैं कि हम लोक सभा निर्वाचन के लिए 02-पश्चिम-चम्पारण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से निम्नलिखित को अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्देशित करते है।

अभ्यर्थी का नाम सुनील कुमार राव
पिता/~~माता~~/~~पति~~ का नाम कपिलदेव राव
उसका डाक पता ग्राम+पो.- लौकरिया, थाना-बैरिया, जिला-प०-चम्पारण
उसका नाम 02-पश्चिम-चम्पारण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र *(में समाविष्ट 06-नौतन विधान सभा निर्वाचन–क्षेत्र) की निर्वाचक नामावली के भाग संख्या 82 में क्रम सं0 375 पर प्रविष्ट है।

हम घोषणा करते हैं कि हम उपरोक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक हैं और हमारे नाम उस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचक नामावली में जैसे कि नीचे उपदर्शित है, दर्ज है और हम इस नामनिर्देशन के नीचे प्रतीक स्वरूप नीचे अपने हस्ताक्षर करते हैं।

प्रस्तावकों की विशिष्टियां और उनके हस्ताक्षर

	प्रस्तावक का निर्वाचक नामावली संख्यांक					
क्रम सं०	विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र घटक का नाम	निर्वाचक नामावली का भाग संख्यांक	उस भाग में क्रम सं०	पूरा नाम	हस्ताक्षर	तारीख
1	2	3	4	5	6	7
1	06-नौतन	58	710	नवीन कुमार	नवीन कुमार	22.04.14
2	06-नौतन	57	993	सुरेन्द्र नाथ चौधरी	सुरेन्द्र नाथ चौधरी	22.04.14
3	06-नौतन	58	594	बुधन मुखिया	बुधन मुखिया	22.04.14
4	06-नौतन	58	1020	चन्डी हाजरा	चन्डी हाजरा	22.04.14
5	06-नौतन	58	754	शिवप्रसन्न मुखिया	शिवप्रसन्न मुखिया	22.04.14
6	06-नौतन	57	945	हरगुन चौधरी	हरगुन चौधरी	22.04.14
7	06-नौतन	58	715	रामजी मुखिया	रामजी मुखिया	22.04.14
8	06-नौतन	59	600	फिरोज महमद	फिरोज आलम	22.04.14
9	06-नौतन	59	597	समसाद आलम	समसाद आलम	22.04.14
10	06-नौतन	58	134	दिपक कुमार	दिपक कुमार	22.04.14

कृपया ध्यान दे :– प्रस्तावक के रूप में निर्वाचन क्षेत्र के 10 निर्वाचक होने चाहिए ।

भाग– 3

मै, ~~भाग–1~~/भाग 2 (जो लागू न हो उसे काट दें) में उल्लिखित अभ्यर्थी इस नामनिर्देशन के लिए अपनी अनुमति देता हूं और घोषणा करता हूं कि–

(क) मैने 41 वर्ष की आयु पूरी कर ली है ।

(नीचे ख (i) या ख (ii) जो लागू न हो उसे काट दें)

~~(ख) (i) मुझे इस निर्वाचन में .... दल द्वारा खड़ा किया गया है, जो इस राज्य में मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय दल/राज्य दल है और उपरोक्त दल के लिए आरक्षित प्रतीक मुझे, आवंटित किया जाए ।~~

या

(ख) (ii) मुझे इस निर्वाचन में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) लिबरेशन दल द्वारा खड़ा किया गया है, जो रजिस्ट्रीकृत अमान्यताप्राप्त राजनैतिक दल है। मै यह निर्वाचन ~~स्वतंत्र अभ्यर्थी~~ के रूप में लड़ रहा हूं (जो लागू न हो उसे काट दें) और मैने जो प्रतीक चुने है वे अधिमान क्रम में (i) तीन तारावाला झंडा (ii) .... (iii) .... है।

(ग) मेरा नाम और मेरे पिता/~~माता~~/~~पति~~ का नाम ऊपर हिन्दी (भाषा का नाम) में सही रूप से लिखा गया है ।

(घ) अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं लोक सभा का स्थान भरने के लिए चुने जाने के लिए अर्हित हूँ और निरर्हित भी नहीं हूँ ।

मै यह भी घोषणा करता हूँ कि मैं *जाति / जनजाति का सदस्य हूँ जो .... राज्य के उस राज्य में के .... (क्षेत्र) के संबंध में अनुसूचित .... **जाति / जनजाति है ।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि मुझे लोक सभा के लिए निर्वाचन कराए जा रहे साधारण निर्वाचन / उप–निर्वाचन में दो से अधिक संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्देशित नहीं किया गया है और न ही किया जाएगा ।

तारीख ..22.04.2014....

सुनील कुमार [signature]
(अभ्यर्थी का हस्ताक्षर)

* लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए ।
** यदि लागू न हो तो इस पैरा को काट दें।

कृपया ध्यान दें :– "मान्यताप्राप्त राजनैतिक दल" से निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के अधीन संबंधित राज्य में मान्यता प्राप्त कोई राजनैतिक दल अभिप्रेत है।

भाग– 3 (क)

(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाए)

क्या अभ्यर्थी को :–

(i) **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम– 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की–**
(क) उपधारा (1) के अधीन किसी अपराध (अपराधों) के लिए या
(ख) उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी विधि के उल्लघंन के लिए.
सिद्धदोष ठहराया गया है ; या — हाँ / नहीं नही

(ii) ऐसे किसी अन्य अपराध (अपराधों) के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है, जिसके (जिनके) लिए उसे दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडित किया गया है नही

यदि उत्तर "हाँ" में है, तो अभ्यर्थी निम्नलिखित जानकारी देगा :

(i) मामला / प्रथम सूचना रिपोर्ट, संख्यांक .... शून्य

(ii) **पुलिस थाना (थाने)** .... शून्य

जिला (जिले) .... शून्य

राज्य .... शून्य

(iii) संबद्ध अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण, जिसके (जिनके) लिए उसे सिद्धदोष ठहराया गया था .... शून्य

(iv) दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) की तारीख / (तारीखें) .... शून्य

(v) वह (वे) न्यायालय जिसने (जिन्होंने) अभ्यर्थी को सिद्धदोष ठहराया था .... शून्य

(vi) अधिरोपित-दंड कारावास (कारावासों) की अवधि और या जुर्माने (जुर्मानों) की राशि उपदर्शित करें ...... शून्य

(vii) कारागार से निर्मुक्ति की तारीख (तारीखें) ...... शून्य

(viii) क्या उपरोक्त दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) के विरुद्ध कोई अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण फाइल किए गए थे : हाँ/नहीं

(ix) फाइल की गई अपील (अपीलों)/ पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) की विशिष्टयां :- ...... शून्य

(x) उस न्यायालय (उन न्यायालयों) का (के) नाम, जिसके (जिनके) समक्ष अपील (अपीलें) /पुनरीक्षण आवेदन फाइल किए गए थे :- ...... शून्य

(xi) क्या उक्त अपील (अपीलों) /पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है या वह/वे लंबित है ...... शून्य

(xii) यदि उक्त अपील (अपीलों) /पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है, तो

(क) निपटारे की तारीख (तारीखें) ...... शून्य

(ख) पारित आदेश (आदेशों) की प्रकृति ...... शून्य

स्थान :- कोरिया

तारीख :- 22.04.2014

(अभ्यर्थी के हस्ताक्षर)

भाग— 4

(रिटर्निंग आफिसर द्वारा भरा जाए)

नामनिर्देशन–पत्र की क्रम संख्या– 14

यह नामनिर्देशन मुझे/मेरे कार्यालय में 22.4.2014 (तारीख) को 12:34 pm (बजे) *अभ्यर्थी/प्रस्थापक द्वारा परिदत्त किया गया ।

तारीख 22.4.2014

22/4

(रिटर्निंग आफिसर)

*जो शब्द लागू न हो उसे काट दीजिए ।

भाग— 5

नामनिर्देशन–पत्र को प्रतिगृहीत या रद्द करने वाले रिटर्निंग आफिसर का विनिश्चय

मैंने इस नामनिर्देशन–पत्र को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 के अनुसार परीक्षित कर लिया है और मैं निम्नलिखित रूप में विनिश्चय करता हूँ :–

तारीख ......

(रिटर्निंग आफिसर)

GOVT. OF BIHAR
REGISTRATION, EXCISE & PROHIBITION DEPT.
WEST CHAMPARAN SCORE BETIA

Serial No. AD 49098

COURT FEE

भारत INDIA Rs. 0000020 बिहार JUDICIAL 21. 4. 2014 BIHAR

AFFIDAVIT (शपथ पत्र)

समक्ष,
श्री नोटरी पब्लिक बेतिया।

सम्बन्धी :- अचल सम्पत्तियों का विवरण

Authority
Under Notaries Act & शपथपत्र
297 Cr. P.C. 1st Class

मैं कुणाल कुमार राय पे० [illegible] राय उम्र 41 वर्ष साकिन :- लौरिया थाना :- बैरिया जिला पश्चिम चम्पारण का ईश्वर को हाजिर नाजिर मानकर सच सच हलफन बयान करता हूँ कि :-

1) यह कि मेरी अचल सम्पत्ति का विवरण निम्न प्रकार है जिसपर मेरे पिताजी द्वारा मेरा हिस्सा व स्वअर्जित भूमि है जो विरासत में पैतृक सम्पत्ति मिला है।

क्र० विवरण मौजा	थाना	खाता	खेसरा	रकबा डि०	कुल साथ कठ्ठा	वर्तमान बाजार कीमत धू०
कृषि भूमि	लौरिया	112	298	1369	5	2
संयुक्त	"		"	3342	10	4
	"		"	336	2	
परिवार में	"		"	3416	3	2
			"			2
				3431	5	6
कुमवा नंदपुर				806	20	00
नोटरी पब्लिक				209	10	00
बेतिया।				316	21	02
				660	08	02
				924	09	06
				960	11	03
				950	10	
						82,05,000
अर्ध पुश्तैनी भूमि	नहीं	नहीं				
	स्वअर्जित = 298	640	59	13		92 0 00
2. मकान थाना 4	लौरिया	112	298	3399		5,00,000

कुल स्थायी सम्पत्ति का वर्तमान कीमत 87,92,000

शपथकर्ता

पहचानकर्ता

मैं पुनः यह भी स्वीकार करता हूँ कि ऊपर लिखित बातें मेरे जानकारी में सही व दुरूस्त है।

शपथकर्ता

अधिवक्ता

GOVT. OF BIHAR
WEST CHAMPARAN SCORE BETIA
COURT FEE
No. AD 48155 599

भारत STAMP DUTY 00000 बिहार JUDICIAL
INDIA Rs.=0000020= 21.4.2014 BIHAR

(नियम 4क देखिए)

02-पश्चिम चम्पारण .... निर्वाचन क्षेत्र से **लोक सभा** (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

Authority
Under Notaries Act & 297 Cr. P.C. 139

भाग—क

मैं सुनील कुमार राव .... पुत्र/पुत्री/पत्नी कपिलदेव राव आयु 41 वर्ष, जो ग्राम + पोस्ट - लौकरिया थाना - बैरिया जिला - प० चम्पारण (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं :–

(1) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट - लेनिनिस्ट) लिबरेशन .... (राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी / एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूं। (जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 06 नौतन विधान सभा बिहार .... (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं0 88 के क्रम सं0 375 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें है/हैं 06254 259449, 9431642327
मेरा ई-मेल आईडी (अगर कोई हो) है Sunilkumar.raobth@gmail.com
एवं मेरा सोशल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है .... सुनील कुमार राव

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :–

क्रम सं.	नाम		पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	स्वयं	सुनील कुमार राव	BOIPR0448H	लागू नहीं	शून्य
2.	पति या पत्नी	सलीनी राव	BOUPR0705J	लागू नहीं	शून्य
3.	आश्रित–1	प्रियदर्शी स्मृति	शून्य	लागू नहीं	शून्य
4.	आश्रित–2	प्रियदर्शी आकाश	शून्य	लागू नहीं	शून्य
5.	आश्रित–3	सोहेन कुमार राव	शून्य	लागू नहीं	शून्य

SHAMBHU SHARAN SINHA, NOTARY PUBLIC, WEST CHAMPARAN, BETTIAH

सुनील कुमार राव

Identified by
R. Dwivedi
Adv.
21.04.2014

Authority
Under Notaries Act & Rule
[illegible]

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध(अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूं जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभ्यर्थी ऐसे किसी अपराध(अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी:-

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	(i) शिकारपुर थाना कांड संख्या :- 158/03 (ii) कुशीनगर रेल थाना कांड संख्या :- 28/02 (iii) औनाहा थाना कांड संख्या :- 71/02
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके(जिनके) लिए आरोपित किया गया है	(i) 147, 148, 149, 307, 323, 302, 120(B) भा.द.वि. 27 आर्म्स एक्ट (ii) 174 'A' Railway Act. (iii) 147, 148, 149, 341, 342, 136, 323, 324, 325, 307, 353, 332, 333, 120(B), 504 भा.द.वि. 27 Arms Act 3/5 E.S. Act
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	(i) 23.9.2005 C.J.M. BTH S.Tr. No: 481/05 (ii) ज्ञात नहीं। Railway magistrate, BTH (iii) ज्ञात नहीं।
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	Adhoc A.D.J. F.T.C. VIth Bettiah
(ड)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	25.06.2010 S.Tr. No: 481/05
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	लागू नहीं

(ii) निम्नलिखित मामला(मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न]:-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	लागू नहीं
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे, जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	लागू नहीं
(ग)	पूर्वोक्त आदेश(आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन(आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यौरे	लागू नहीं

(6) मुझे [illegible] अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951(1951 का 43)की धारा 8 की उपधारा(1) या उपधारा(2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध(अपराधों) से [illegible] के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है।

Notary Public ... Appointed by Govt. of Bihar

Identified by
Advocate
21.4.14

Authority
Under Notaries Act & Rule
397 Cr.P.C. 139 C.P.C.

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है:

(क)	उन मामलों के ब्यौरे अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	लागू नहीं
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश(आदेशों) की तारीख(तारीखें)	लागू नहीं
(ग)	अधिरोपित दंड	लागू नहीं
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	लागू नहीं

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे:

टिप्पण 1– संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2– जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3– सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4– यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5– रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	30,000/00	10,000/00	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय	A/c No: SBI 11406017093 राशि- 2,000/00 इलाहाबाद बैंक [illegible] 5017 50 1557 राशि - 3,000/00 Cop. Bank BTH A/c No: 3034 राशि- 800/00	Coperative Bank, BTH A/c No: 3558 राशि - 2,000/00	शून्य	शून्य	शून्य

[illegible] — Identified by [illegible] Adv.

Auth...
Under Notaries Act & Rule

	कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	सहकारी समिति बैंक, बेतिया खाता सं: 3074 राशि- 200.00	सहकारी समिति बैंक, बेतिया खाता सं:- 3358 राशि- 2000/00	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु(वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	शून्य	100gm सोना-चाँदी 400gm चाँदी	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	समग्र कुल मूल्य	35,800/00	3,24,000/00	शून्य	शून्य	शून्य

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1– संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2– प्रत्येक भूमि या भवन के अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं)	डी.कजु.धूर 06-17-13 स्थान खेसरा व विवरण संलग्न है	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र(एकड़ में कुल माप)	11 [illegible]	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं)	हाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Notary ... (M.C.) ...

Identified by ... Adv.

Authority
Under Notaries Act & Rule
Cr.P.C

	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	ज्ञात नहीं	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दशा में)	३२ हजार 500 सौ रुपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर कृषि भूमि अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक(संख्याएं)	5 कट्ठा थाना-298 खेसरा -३३५२	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र(वर्ग फुट में कुल माप)	16250	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	06 लाख रुपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेन्ट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक(संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र(वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र(वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेन्ट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक(संख्याएं)	पक्का भवन तीन कमरा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Notary Public

Identified by
Adv.

Authority
Under Notaries Act & Rule
297 Cr.P.C. 139 C.P.C

	क्षेत्र(वर्ग फुट में कुल माप)	3250	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र(वर्ग फुट में कुल माप)	1625	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई सपंति है(हां या नहीं)	हां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित सपंति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	पाँच लाख रूपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	13 लाख रूपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूं:—

(टिप्पण: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित –2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	3 लाख 51 हजार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कैरिया कृषि ऋण	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	03 लाख 51 हजार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य: सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

कुनील कुमार राय — Identified by
[illegible] Advocate
21.4.14

Authority
Under Notaries Act & Rule
297 Cr.P.C. 139 C.P.C.

	विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	टेलीफोन/मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	आय–कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	धनकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सेवाकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विक्रयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(9) वृति या उपजीविका के ब्यौरे:

(क) स्वयं खेती

(ख) पति या पत्नी लागू नहीं

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है–

बी. ए. आनर्स (राजनीति शास्त्र) एम. जे. के. कॉलेज बेतिया, बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर सत्र 1992-95

(स्कूल/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरों का उद्धरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कुo सुनील कुमार राव
2	डाक का पूरा पता	ग्राम+पो०–लौकरिया थाना– बैरिया जिला - प० चम्पारण
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	06- नौतन विधान सभा बिहार 02 - पश्चिम चम्पारण, बिहार

SHAMBHU SHARAN PANDEY Notary Public

सुनील कुमार राव

identified by
Dwivedi
adv.
21.4.14

Authority
Under Notaries Act & Rule
297 Cr.P.C. ...

4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	Communist party of India (marxist-Leninist) Liberation
5	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	(i) शिकारपुर थाना काण्ड संख्या :- 158/03 (ii) कुशौली रेल थाना काण्ड संख्या :- 28/02 (iii) औनाहा थाना काण्ड संख्या : 71/02
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है [ऊपर मद (i) में उल्लिखित मामलों से भिन्न]	लागू नहीं
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। [लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए]	शून्य

7		...... का स्थायी लेखा सं0	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	BOIPR0048H	शून्य	शून्य
	(ख) पति या पत्नी	BOUPR04053	शून्य	शून्य
	(ग) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8 आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रुपये में)

	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	82लाखरुपयामात्र	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख	स्थावर आस्तियां					
i	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	92 हजार 500 सौ रुपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ii	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/ सन्निर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कि	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
iii	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	88 लाख रुपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Notary Public

सुनील कुमार राव

Dwivedi
Adv.

Authority
Under Notaries Act & Rule
297 Cr. P.C. 139 C.P.C.

		(क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	12 हजार 500 सौ रुपया 87 लाख रुपया	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9		दायित्व					
	i	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	03 लाख 41 हजार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है					
	i	सरकारी शोध्य (कुल)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
11		सच्चतम शैक्षिक अर्हताः बी॰ए॰ आनर्स राजनीतिकशास्त्र, एम॰जे॰के॰ कॉलेज, बेतिया, बाबा साहेब भीम राव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर सत्र- 1992-95 (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)					

सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नही है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि–

(क) मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है;

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8,9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 21.04.2015...को सत्यापित किया गया। Identified by Brajwasi अ॰प॰प

कुमार शंकर राय
अभिसाक्षी

टिप्पणः 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3.00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पणः 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पणः 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथा स्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पणः 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

SHAMBHU SHARAN PANDEY

कुमार शंकर राय
Identified by
Brajwasi
Adv.